सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching)

- शिक्षण कौशल को सीमित समय एवं आकार में सीखना सूक्ष्म शिक्षण है।
- सूक्ष्म-शिक्षण से तात्पर्य है- **शिक्षण का लघु रूप**।
- अर्थात् **सूक्ष्म-शिक्षण-** शिक्षण की जटिल प्रक्रिया को सरलतम ढंग से छोटे-छोटे सोपानों में प्रशिक्षुओं के सामने प्रस्तुत करने की एक रूचिपूर्ण प्रक्रिया है।

Scanned with CamScanner

- डा. **ए.डब्लू. एलेन** को सूक्ष्म-शिक्षण का जन्मदाता माना जाता है।
- भारत में **'सेंट्रल पैडागाजिकल इन्स्टीट्यूट'** के प्रोफेसर डा. **डी.डी. तिवारी** ने इस विधि का प्रयोग किया।
- इस प्रकार, 1970 में **मैक एलिज** तथा **अरविन** ने सूक्ष्म-शिक्षण की व्याख्या की है.

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषा

✓ **एलेन** ने अपनी पुस्तक '**माइक्रोटीचिंग**' में लिखा है-

" सूक्ष्म शिक्षण सभी प्रकार की शिक्षण संबंधी क्रियाओं को छोटे-छोटे भागों में विभक्त करना है।"

✓ "सूक्ष्म शिक्षण एक प्रशिक्षण की तकनीकि हैं, जिसमें छात्राध्यापक किसी एक शिक्षण कौशल का प्रयोग करते हुये लघु अवधि में छोटे समूह को कोई एक संप्रत्यय पढ़ाता हैं ।" (**बी.के. पासी**)

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषा

“सूक्ष्म शिक्षण शिक्षण-प्रशिक्षण की एक प्रविधि है जिसमे शिक्षक स्पष्ट रूप से परिभाषित शिक्षण-कौशलों का प्रयोग करते हुए पाठ -तैयार करता है. नियोजित पाठो के आधार पर 5-10 मिनट तक वास्तविक छात्रों के छोटे समूहों के साथ अंतःक्रिया करता है, जिसके परिणामस्वरूप वीडियो टेप पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्राप्त करता है.” (**आर.एल. ग्रूस**)

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण के उद्देश्य

- एक टीचर प्रशिक्षु को सीखने और नए शिक्षण कौशल को नियंत्रित परिस्थितियों में आत्मसात् करने योग्य बनाना।
- एक टीचर प्रशिक्षु को कई शिक्षण कौशल में योग्य बनाना।
- एक टीचर प्रशिक्षु को शिक्षण में विश्वास करने योग्य बनाना।
- शिक्षार्थियों में नए कौशल का विकास करना।

Scanned with CamScanner

ज्ञान और अनुभव का समन्वय

विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण

प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित

पर्यवेक्षण के लिए प्रोत्साहित

शिक्षण-अधिगम में
कला का प्रयोग

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण चक्र (Micro Teaching Cycle)

- "भारतीय प्रतिमान में सूक्ष्म शिक्षण चक्र की अवधि या प्रक्रिया **36 मिनट** की होती है।"
- इसका समय विभाजन इस प्रकार हैं-

✓ पढ़ाना: 6 मिनट

✓ फ़ीडबैक: 6 मिनट

✓ पुनर्योजना: 12 मिनट

✓ पुनर्शिक्षण: 6 मिनट

✓ पुनर्फ़ीडबैक: 6 मिनट

✓ **कुल: 36 मिनट**

Newsexpand.com

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण चक्र (Micro Teaching Cycle

1. **प्रस्तावना-** सूक्ष्म शिक्षण प्रक्रिया प्रारम्भ करने से पूर्व शिक्षक द्वारा छात्राध्यापक के समक्ष सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ, विशेषताए व विधिया आदि के बारे में बताया जाता है।

2. **सूक्ष्म शिक्षण का पाठ निर्माण-**शिक्षक द्वारा छात्राध्यापकों को एक छोटी इकाई एवं एक शिक्षण कौशल पर आधारित सूक्ष्म पाठ-योजना बनाने की विधि बताई जाती है।

3. **शिक्षण अवस्था-** छात्राध्यापकों द्वारा पाठ-योजना के आधार पर 6 मिनट तक 5 से 10 छात्रों की कक्षा को पढ़ाया जाता है।

4. **प्रतिपुष्टि-** प्रत्येक छात्राध्यापक को शिक्षण के उपरांत प्रतिपुश्टि शिक्षक व सह-छात्राध्यापकों द्वारा प्रदान की जाती है।

5. **पुन: पाठ योजना-** प्रतिपुष्टि के आधार सुझावों को ध्यान में रखते हुए छात्राध्यापक पुनः पाठ योजना तैयार करता है।

6. **पुन: शिक्षण-** पुनः बनाई गई पाठ-योजना के आधार पर छात्राध्यापक पुनः शिक्षण प्रस्तुत करता है।

7. **पुन: प्रतिपुष्टि-** छात्राध्यापक को शिक्षक व सह-छात्राध्यापकों द्वारा पुनः प्रतिपुष्टि प्रदान की जाती है।

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण के लाभ

- यह एक प्रशिक्षण उपकरण है जिससे शिक्षण अभ्यास और प्रभावी शिक्षक तैयार किए जा सकते हैं।
- यह शिक्षण को सुगम्य करता है जिससे नवागंतुकों के लिए आसानी होती है।
- शिक्षकों में विश्वास की भावना पैदा करना।
- सूक्ष्म शिक्षण एक वास्तविक कक्षा में या कृत्रिम कक्षा में किया जा सकता है।
- यह विशेष कार्यों की सफलता के लिए प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है जैसे निर्देशात्मक कौशल, पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण तकनीक।
- इसमें अधिक नियंत्रण और नियंत्रित शिक्षण अभ्यास शामिल होता है।
- क्षमता के अनुसार यह प्रशिक्षु को शिक्षण कौशल के विकास करने में मदद करता है।

Scanned with CamScanner

सूक्ष्म शिक्षण के लाभ

- यह एक प्रभावी फ़ीडबैक उपकरण है जिससे शिक्षक के व्यवहार को बदला जा सकता है।
- यह एक अत्यंत व्यक्तिगत प्रकार का शिक्षण प्रशिक्षण है।9
- यह पूर्व या सेवा के दौरान शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षण प्रभाव को विकसित करने में सक्षम है।
- यह वस्तुनिष्ठ और व्यवस्थित अवलोकन में सहायक है क्योंकि यह एक अवलोकन सीमा देता है।
- यह विभिन्न प्रकार के कौशल आत्मसात करने में सहायक है जो कि एक सफल टीचर का आधार तय करता है।
- यह सामान्य कक्षा की जटिलताओं जैसे कक्षा के आकार, कक्षा का समय और अनुशासन की समस्याओं को कम करता है।

Scanned with CamScanner